**राज्यपाल सचिवालय, बिहार**
**(जन–सम्पर्क शाखा)**
**राजभवन, पटना–800022**

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
**prrajbhavanbihar@gmail.com**
मोबाईल–9431283596


## प्रेस–विज्ञप्ति

# समेकित कृषि के विकास से देश की अर्थव्यवस्था को ताकत मिलेगी –राज्यपाल

**पटना, 20** दिसम्बर 2019

'' बिहार प्रथम 'हरित क्रांति' का समुचित लाभ उठा पाने से वंचित रह गया था, किन्तु प्रथम, द्वितीय और तृतीय 'कृषि रोड–मैप' के जरिये राज्य में कृषि–विकास के जो प्रयास हुए हैं, उनका काफी सकारात्मक प्रभाव राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। बिहार–विभाजन के बाद जिस तरह अधिकतर कल–कारखाने झारखंड राज्य में चले गए, बिहार ने तब समेकित कृषि–विकास और निर्माण प्रक्षेत्र के विकास के जरिये ही अपनी अर्थव्यवस्था को सँभालने में कामयाबी पायी और विकास–दर को बराबर संतोषजनक रूप में बनाये रखा।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने स्थानीय गाँधी मैदान में आयोजित 'नाबार्ड हाट–2019' का औपचारिक उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार ने पिछले दशक में समेकित कृषि–विकास का जो प्रयास किया, उसी की बदौलत उसे विभिन्न फसलों के सर्वोच्च उत्पादन के लिए राष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कार भी मिले। बिहार आज मत्स्य–उत्पादन में भी आत्मनिर्भर बन गया है। कभी आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों की बासी मछलियाँ खाने को बिहारवासी में विवश थे, परन्तु आज वे अपने राज्य की ताजी मछलियाँ खा रहे हैं और इसका निर्यात भी कर रहे हैं।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि मत्स्यपालन के क्रम में जलवायु–परिवर्तन तथा तापक्रम में निरंतर उतार–चढ़ाव एक प्रमुख समस्या है। मछलियों को समुचित आहार दिया जाना भी उनके सही ढंग से पालन में बेहद जरूरी है। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि बिहार, निकटवर्ती पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में मछलियों की खूब खपत है। अतएव, कृषि के अनुषंगी प्रक्षेत्र के रूप में मत्स्यपालन को विकसित कर बिहार को समृद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कृषि के विकास में औद्योगिक विकास की तरह पर्यावरण–असंतुलन का भी खतरा नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि समेकित कृषि के विकास के जरिये ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की जा सकती है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि 'नाबार्ड' जैसी संस्थाएँ बिहार राज्य को अगर उदारतापूर्वक आर्थिक सहायता मुहैय्या करा रही हैं तो निश्चय ही यह बिहार की आर्थिक समृद्धि के लिए काफी सुखद संकेत है। उन्होंने कहा कि बिहार में लगभग 8 लाख 17 हजार स्वयं–सहायता–समूह कार्यरत हैं, जिनकी लगभग 1600 करोड़ रूपये की बचत राशि बैंकों में जमा है।

श्री चौहान ने कहा कि 'स्वयं सहायता समूह' को आधुनिक डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने के लिए तथा 'मोबाइल' अथवा 'टेबलेट' के माध्यम से 'स्वयं सहायता समूहों' के रेकॉर्ड को भी पोर्टल में लाने वाली 'ई–शक्ति परियोजना' अभी देश के 100 जिलों में कार्यान्वित की गई है। समूहों के संचालन में पारदर्शिता लाने एवं बैंक से बेहतर ऋण–सुविधा उपलब्ध कराने में यह अभियान भविष्य में अत्यन्त कारगर सिद्ध होगा। राज्यपाल ने कहा कि बिहार में यह परियोजना वर्तमान में छह जिलों में संचालित की जा रही है तथा आगे दस और जिलों को इसमें शामिल किया जायेगा।

**आगे पृष्ठ....2 पर**

राज्यपाल ने कहा कि 'नाबार्ड' द्वारा किसानों के बीच कृषक–उत्पाद–संगठनों का भी गठन किया जा रहा है, जिससे उनकी कृषि–लागत में बचत हो तथा उन्हें उत्पादों के बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि बिहार में लगभग 300 कृषक उत्पाद–संगठनों का गठन किया जा चुका है, जो बेहतर ढंग से कार्य कर रहे हैं।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि जलवायु–परिर्वन आज एक ज्वलंत समस्या के रूप में हम सबके लिए चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी इस समस्या को लेकर शुरू से गंभीर रहे हैं। 'जल–जीवन–हरियाली' को लेकर मुख्यमंत्री की जन–जागरण यात्रा अभी राज्य में चल रही है, जो एक अत्यन्त प्रशंसनीय अभियान है।

राज्यपाल ने कहा कि यह खुशी की बात है कि जलवायु–परिवर्तन को नियंत्रित करने के लिए 1819 करोड़ रूपये की अनुदान सहायता से 38 परियोजनाओं को भारत के विभिन्न राज्यों में लागू किया जा रहा है। बिहार राज्य में 'बामेति' के माध्यम से राज्य के चार विभिन्न कृषि–जलवायु–क्षेत्रों में लगभग सत्तर हजार हेक्टेयर क्षेत्र में 'क्लाइमेट स्मार्ट कृषि' पर काम किया जा रहा है।

कार्यक्रम में 'नाबार्ड' के मुख्य महाप्रबंधक श्री अमिताभ लाल ने कृषि–विकास में 'नाबार्ड' की भूमिका की सविस्तार चर्चा की। धन्यवाद–ज्ञापन 'नाबार्ड' के उप महाप्रबंधक श्री राम सुन्दर सिंह ने किया। कार्यक्रम में एस॰बी॰आई॰ के अधिकारी श्री महेश गोयल, ए॰डी॰सी॰ मेजर हिमांशु तिवारी, 'नाबार्ड' के उपमहाप्रबंधक श्री सुधीर राय सहित नाबार्ड, राज्य सरकार तथा विभिन्न बैंकों के वरीय अधिकारी तथा राज्य के कई उद्यमीगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान 'नाबार्ड हाट' में लगे 140 स्टॉलों की महामहिम राज्यपाल ने प्रशंसा की तथा उनका घूम–घूम कर अवलोकन भी किया।

.....